ranchi municipal corporation
keeps your city clean & green....
E-Newsletter
March
Ranchi Nagar Nigam

इसी माह चालू होगी आधुनिकतम वधशाला

अस्वास्थ्यकर तरीके से बिना स्वास्थ्य जांच के मिलने वाले खस्सी के मांस से रांची के लोगों के जल्द मुक्ति मिल जाएगी। मार्च के अंत तक झारखण्ड का पहला आधुनिक वधशाला शुरू हो जाएगा। तब लोगों से स्वास्थ्य के नजरिये से सुरक्षित मांस की आपूत्ति हो सकेगी। काटने के पहले खस्सी के स्वास्थ्य की जांच होगी कि वह बीमार तो नहीं। खाने वालों के वर्ग का ध्यान रखते हुए इलाज और झटका दोनों तरह के खस्सी के मांस की यहां से आपूत्ति होगी। 500 हलाल और 500 झटका। मटन शॉप के संचालकों के खस्सी के मांस की आपूत्ति वधशाला से ही होगी। कांके में 6.5 एकड़ जमीन पर 18 करोड़ की लागत से बनाया गया है। वधशाला केंन्द्रीय टीम ने सोमवार को जांच के बाद इसे हरी झंडी दे दी है।

कांके में है वधशाला: कांके स्थित बेकन फैक्ट्री के पीछे लगभग 6.5 एकड़ में बन रहे वधशाला का 95 फीसद कार्य पूरा हो चुका है। संवेदक (मेसर्स केके नारसिया) ने वधशाला में अत्याधुनिक उपकरण व मशीनें भी लगा दी है। मैकेनिकल इंजीनियर ने बताया कि वधशाला में स्किन पुलर, लाइन, सिलेंडर, स्ट्रेलाइजर व मोटर लगाए जा चुकें है।

तैयार होगा 50 टन मुर्गी दाना: वधशाला से निकलने वाले अपशिश्टोंकी प्रोसेसिंग के लिए रेंडरिंग हाउस में मशीने लगाई जा चुकी है। कंपनी के मेकेनिकल इंजीनियर संजय सिंह ने बताया कि प्रोसेसिंग के माध्यम से वधशाला से निकलने वाले अपशिश्टों व दूशित जल को अलग–अलग किया जाएगा। मशीन की क्षमता प्रतिदित लगभग 50 टन मुर्गी दाना तैयार करने की है।

खास बातें: केंन्द्रीय टीम ने दी हरी झंडी मार्च के मध्य में होगा ट्रायल बिहार–झारखण्ड का प्रथम आधुनिकतम वधशाला रांची के लोगों को मिलेगा स्वास्थ्यकार खस्सी का मांस वधशाला से ही होगी मटन दुकानों को खस्सी मांस की आपूत्ति रोजाना कटेंगे एक हजार खस्सी हलाल और झटका दोनों का है बराबर इंतजाम रोजाना तैयार हो सकेगा 50 टन मुर्गी का दाना कांके में 6.5 एकड़ जमीन पर 18 करोड़ की लागत से हुआ है निर्माण होगा।

काटने के पहले स्वास्थ्य की जांच

हलाल व झटका से पूर्व खस्सी की जांच की जाएगी। नगर आयुक्त प्रशांत कुमार ने वधशाला में पशु चिकित्सक की नियुक्ति के लिए पशुपालन विभाग को पत्र भी भेज दिया है। प्रदूशण नियंत्रण के अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए भी आवेदन भी दिया जा चुका है।

केंद्रीय टीम की हरी झंडी

सोमवार को भारत सरकार की टीम ने वधशाला का निरीक्षण भी किया । निरीक्षण के क्रम में उन्होंने मशीनों की जांच भी की।

बदलाव. बीते साल हुए स्वच्छ सर्वेक्षण में जिन वजहों से पिछड़े थे, इस साल उन्हें ही दुरुस्त करने में

अब स्वच्छ दिख रही हमारी रांची

वर्ष 2016 में हुई स्वच्छ सर्वेक्षण प्रतियोगिता में राजधानी रांची को 62वां स्थान मिला था. तब शहर में गंदगी का आलम था. बीते साल जिन वजहों से शहर पिछड़ गया था, उन्हें दुरुस्त करने के लिए सरकार से लेकर रांची नगर निगम ने इस बार काफी मेहनत की है. कोशिश है कि 'स्वच्छ सर्वेक्षण-2017' में रांची देश भर के 500 शहरों की सूची में टॉप-20 में शामिल हो सके. इसके लिए साफ-सफाई करायी जा रही है और जागरूकता अभियान चलाये जा रहे हैं. इसके अलावा सार्वजनिक जगहों पर शौचालयों का निर्माण भी कराया जा रहा है.

प्रभात अभियान

वरीय संवाददाता ▸ रांची

स्वच्छ शहरों और वार्डों को इनाम देगी सरकार

टॉप-20 में आने की कवायद

टीम ने देर रात देखा कचरा उठता है या नहीं

रांची | संवाददाता

राजधानी रांची में चल रहे स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतिम दिन क्यूसीआई की टीम रातभर जगकर शहर का दौरा किया। इस दौरान टीम में शामिल तीनों सदस्यों ने रात में कूड़ा उठाने वाले सफाई कर्मियों से बात की। साथ ही निरीक्षण किया कि रात में कमर्शियल एरिया से कूड़े का उठाव होता है कि नहीं। रात भर सफाई का जायजा लेने के बाद टीम. सुबह चार बजे होटल पहुंची।

रविवार को दिन में टीम ने प्लांड और अनप्लांड रूप से बसे कॉलोनियां को दौरा किया। शाम में टीम हजारीबाग के लिए रवाना हो गई। रांची में झारखंड के नौ शहर इस वार स्वच्छ सर्वेक्षण 2017 में शामिल हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण-2017 का रिजल्ट 15 फरवरी को जारी होगा।

तीन दिन चले निरीक्षण में क्यूसीआई की टीम ने शहर के अलग-अलग इलाकों में करीब 100 लोगों का फीडबैक लिया। इसके अलावा टीम ने स्वच्छता के लिए नगर निगम रांची द्वारा किए कार्यों का दस्तावेज भी जांचा। तीन दिनों में टीम रांची के स्लम एरिया, बड़ी कॉलोनी, सभी बस स्टैंड, सामुदायिक शौचालयों और कमर्शियल इलाकों का दौरा किया।

रविवार की रात सफाई कर्मचारी से जानकारी लेते क्यूसीआई टीम के सदस्य।

50 हजार से अधिक घर नहीं हो पाए रेगुलर

शहर के आर्किटेक्ट सुजीत भगत ने नगर विकास मंत्री को पत्र लिखकर निजी घरों को रेगुलर करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि बिल्डिंग बायलॉज 2016 में ऐसे अवैध भवनों को रेगुलर कराने का कोई प्रावधान नहीं है। इस वजह से अधिकतर घर अभी भी अवैध हैं, जबकि सभी लोग चाहते हैं कि उनके घर का नक्शा पास हो जाए। इसलिए बिल्डिंग बायलॉज में संशोधन कर अवैध घरों को रेगुलर किया जाए। पत्र में सुजीत भगत ने घरों को रेगुलरल करने के लिए सरकार को कई उपयोगी सुझाव भी दिए हैं।

प्रशासन ने हटाया सड़क से अतिक्रमण

अतिक्रमण हटाती नगर निगम की टीम • जागरण

अतिक्रमण हटाती नगर निगम की टीम • जागरण

कार्रवाई

- निगम की 17.6 फीट जमीन से हटा अतिक्रमण
- चार परिवारों का उजड़ा आशियाना
- अतिक्रमित हिस्से पर निर्मित भवन को तोड़ा गया

घर टूटने के बाद निराश बैठे लोग।

जिला प्रशासन की ओर से मंगलवार को राजधानी के कचहरी रोड में अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया गया। इसकी शुरूआत एसबीआई मेन शाखा के पास से की गई। कचहरी चौक तक चलाए गए अभियान के दौरान जिला प्रशासन की टीम ने सड़क के किनारें डाब और पौधा बेचने वालों की दुकानों को हटाया। साथ ही दुकानदारों का सामना भी जब्त किया। साथ ही निर्देश दिया कि अगर दोबारा

दुकानें लगायी तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मेन रोड में 26 जनवरी से पार्किंग की नई व्यवस्था

मेन रोड (एमजी रोड) में 26 जनवरी से पार्किंग की नई व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। यह बेंगलुरू की तर्ज पर होगी। इसके तहत शहीद चौक से ओवरब्रिज तक कलर कोड पार्किंग होगी। इसे चार श्रेणी में बांटा गया है। इसमें रेड, ऑरेंज, येलो और ग्रीन शामिल है।

पार्किंग चार्ज भी इसी हिसाब से तय किया गया है। एमजी रोड के चिन्हित स्थलों पर कलर कोड के अनुसार बोर्ड लगा दिया है। इस मुद्दे पर 19 जनवरी को नगर आयुक्त प्रशांत कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें एसएसपी कुलदीप द्विवेदी सहित कई थानेदार मौजूद थें।

किस जोन में क्या व्यवस्था :

रेड जोनः शहीद चौक से अलबर्ट एक्का चौक, दुर्गा मंदिर से अलबर्ट एक्का चौक, शिवम ज्वलेर्स, डेली मार्केट से डॉ फतेउल्लाह लेन और वूल हाउस से रिलायंस फुट प्रिंट के सामने, रेमंड शोरूम से रांची क्लब कॉम्प्लेक्स के उत्तरी भाग, डोमिनोज से वेद टेक्सटाइल, विशाल मेगा मार्ट से शहीद चौक तक रोड जोन घोशित किया गया है। इन क्षेत्र में वाहन खड़ा करने की किसी को इजाजत नहीं होगी। यहां अगर कोई अपना वाहन खड़ा करता है, तो उसे उठा लिया जाएगा।

येलो जोनः सदर अस्पताल और वूल हाउस के बगल का इलाका येलो पार्किंग होगा। यहां चार पहिया वाहन लगाने वालों को प्रति दो घंटे के लिए 30 रूपये देना होगा। इसके बाद हर घंटे के लिए 30 रूपये अतिरिक्त दुकान के सामने गाड़ी लगा सकते है। चार पहिलया वाहन के लिए 1,000 रूपये महीना और दो पहिया वाहन के लिए 500 रूपया महीना शुल्क लगेगा।

ग्रीन जोनः निगम के पार्किंग स्थल को ग्रीन जोन बनाया गया है। यह शारदा बाबू लेन, सैनिक मार्केट पार्किंग स्थल, टैक्सी स्टैंड पार्किंग, हनुमान मंदिर स्थित है। यहां दो पहिया वाहन लगाने पर पांच रूपये प्रत्येक तीन घंटा के लिए देना होगा। कार के लिए प्रति तीन घंटे 20 रूप्ये लिया जाएगा। दो पहिया वाहन चालकों से प्रतिमाह 250 रूपये व चार पहिया वाहन से 500 रूपया व चार पहिया वाहन से 500 रूपया प्रतिमाह लिया जायेगा।

दिल्ली से ज्यादा साफ है रांची का बस टर्मिनल

» दिल्ली अरबन डेवलपमेंट की टीम ने बिरसा मुंडा बस टर्मिनल का किया इंस्पेक्शन

बस टर्मिनल का इंस्पेक्शन करती दिल्ली की टीम.

ranchi@inext.co.in

RANCHI (14 Feb): रांची का बिरसा मुंडा बस टर्मिनल तो दिल्ली के बस टर्मिनल से भी ज्यादा साफ-सुथरा है. बस पड़ाव की व्यवस्था टर्मिनल में पहले से काफी बेहतर हुई है. रांची विजिट के लिए आई अरबन डेवलपमेंट दिल्ली की मेंबर सोनिया अरोड़ा, अरबन ट्रांसपोर्ट एक्सपर्ट कनिका कालरा भारती ने कहा कि दो सालों में रांची में ट्रांसपोर्ट व्यवस्था में काफी बदलाव आया है. रांची में उन्होंने अरबन डेवलपमेंट झारखंड की नम्रता कुमारी व रांची नगर निगम के अधिकारियों के साथ सिटी में ट्रांसपोर्ट व्यवस्था का जायजा लिया. सिटी मैनेजर ट्रांसपोर्ट सौरव कुमार व बस टर्मिनल के सिटी मैनेजर ज्ञशि प्रकाश ने अरबन डेवलपमेंट की अधिकारी को राजधानी के ट्रांसपोर्ट सिस्टम की हर छोटी-बड़ी जानकारी दी. साथ ही उनसे व्यवस्था को और बेहतर बनाने का सुझाव भी मांगा.

182 ई-रिक्शा मालिकों को बांटा गया रूट चार्ट

रांची. नगर निगम सभागार में बुधवार शाम चार बजे 182 ई-रिक्शा मालिकों को रूट चार्ट दिया गया है. गुरुवार से ई-रिक्शा अपने निर्धारित रूट पर ही चलेंगे. रूट का उल्लंघन करनेवाले ई-रिक्शा चालक से 25000 रुपये जुर्माना वसूल किया जायेगा. ई-रिक्शों को बांटा गया रूट चार्ट इस प्रकार है.

फिरायालाल से राजेंद्र चौक	20
फिरायालाल से रांची विवि	13
फिरायालाल से कोकर चौक	11
फिरायालाल से करमटोली चौक	08
फिरायालाल से कांटाटोली	12
कांटाटोली से बूटी मोड़ तक	08
कांटाटोली से रेलवे स्टेशन	11
कांटाटोली चौक से दुर्गा सोरेन चौक	04
दुर्गा सोरेन चौक से नामकुम चौक	03
रेलवे स्टेशन से राजेंद्र चौक	10
राजेंद्र चौक से हिनू चौक	10
राजेंद्र चौक से अरगोड़ा चौक	10
अरगोड़ा चौक से एचइसी गेट	06
एचइसी गेट से प्रोजेक्ट बिल्डिंग	02
धुर्वा से सेक्टर तीन	03
प्रोजेक्ट बिल्डिंग से चांदनी चौक	04
बिरसा चौक से चांदनी चौक	03
चांदनी चौक से तुपुदाना	02
बूटी मोड़ से रिम्स	02
मेडिकल चौक से रांची विवि	13
रांची विश्वविद्यालय से चांदनी चौक	07
आइटीआइ से कटहल मोड़	03
कटहल मोड़ से अरगोड़ा चौक	05
बहूबाजार से हनुमान मंदिर	12

Wallpaintings to welcome biz delegates on way into city

Pranjal Choudhary | TNN

Ranchi: Visitors alighting at the Birsa Munda Airport have a unique lesson in the state's history in store. Heading into the city via the bustling Heenu Chowk fliers and Global Investor summit guests will now be able to witness Jharkhand's unique cultural, historical and political heritage in a nutshell through wall paintings and pictures.

The Ranchi Municipal Corporation authorities have got the walls alongside the road connecting the airport to Heenu Chowk painted to provide a gist of Jharkhand's rich legacy.

RMC public relation officer Naresh Kumar Sinha said, "The paintings have been made keeping in mind the investors' summit – Momentum Jharkhand and Swachh Bharat Abhiyaan. The paintings will not only give people an understanding of Jharkhand's heritage but also work as a deterrent for those who stick posters on

HISTORY ON WALLS

the walls, spit or write on them. For this project we have hired private players who are taking care of the paintings and maintenance of the walls. This is also providing employment to local artists.""The paintings that have made the walls come alive are the handiwork of landscapers of Green India who have been awarded the tender by the RMC for the work," he said.

The walls now depict stories like the life of tribal hero of Independence, Birsa Munda. A breath taking portrait of Padma Shree Ram Dayal Munda is another unique artwork on display. The other exhibits include tribal festival Janni Shikaar which is celebrated once every 12 years, during which the men stay home and cook while women go to hunt in the forest; the Chero tribe which is faced with the spectre of dwindling numbers.

कार्यशाला. शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने को लेकर हुआ मंथन

बनेंगे फुटपाथ, बसों की सुविधा बढ़ेगी

वरीय संवाददाता ▸ रांची

राज्य के सभी शहरों में पैदल चलनेवाले लोगों के लिए फुटपाथ बनाये जायेंगे. वहीं, शहरी निकायों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए बसों की संख्या बढ़ेगी. रांची में साइकिल सिस्टम को बढ़ावा दिया जायेगा. बुधवार को प्रोजेक्ट भवन सभागार में सस्टेनबल अरबन ट्रांसपोर्ट पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में ये बातें उभर कर आयीं. कार्यशाला का आयोजन नगर विकास विभाग, इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसपोटेशन एंड डेवलपमेंट पॉलिसी(आइटीडीपी) व ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्मेंट द्वारा किया गया.

आइटीडीपी साउथ एशिया की निदेशक श्रेया गडेपली ने 'रिइन्वेंटिंग सिटी ऑफ झारखंड' पर प्रजेंटेशन दिया. उन्होंने कहा कि रांची में ट्रैफिक समस्या से निजात के लिए सड़क या फ्लाई ओवर समाधान नहीं है. दिल्ली में 85 फ्लाई ओवर हैं फिर भी वहां ट्रैफिक की समस्या है. उन्होंने बताया कि रांची में तीन प्रतिशत की दर से आबादी बढ़ रही है, जबकि 10 प्रतिशत की दर से गाड़ियों की संख्या बढ़ रही है. पैदल चलनेवालों के लिए कोई व्यवस्था नहीं है. जबकि एक लाख आबादी पर 8 किमी फुटपाथ होना चाहिए ताकि पैदल लोग चल सकें. रांची में 900 पब्लिक बसें होनी चाहिए. मल्टी लेबल कार पार्किंग भी समस्या का समाधान नहीं है. कार 25 वर्ग मीटर की जगह लेता है इतने में एक इडब्ल्यूएस मकान बन सकता है. उन्होंने कहा कि सरकार को पहले लोगों को रहने के लिए जगह की व्यवस्था करें उसके बाद ही पार्किंग की सोचें.

सस्टेनेबल अरबन ट्रांसपोर्ट विषय पर कार्यशाला, सीपी सिंह ने किया उदघाटन

श्रेया गडेपली ने बताया

- **40** प्रतिशत लोग पैदल चलते हैं रांची शहर की सड़कों पर
- **05** प्रतिशत लोग ही यहां फिलहाल करते हैं कार का इस्तेमाल
- **30** फीसदी लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट या ऑटो से चलते हैं
- **20** प्रतिशत लोग बाइक या अन्य दोपहिया वाहन से चलते हैं
- **90** प्रतिशत महिलाएं पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करती हैं

रांची में साइकिल सिस्टम शुरू करेंगे : सीपी सिंह

कार्यशाला का उदघाटन करते हुए नगर विकास मंत्री सीपी सिंह ने कहा कि बेहतर व्यवस्था करने के लिए आदतों में भी सुधार करना होगा. उन्होंने कहा कि ट्रैफिक समस्या से निजात के लिए जल्द ही रांची में भी साइकिल सिस्टम शुरू की जायेगी. उन्होंने कहा कि पदाधिकारी ज्यादा समय इसी में गंवा देते हैं कि उनका तबादला अच्छी जगह हो जाये. अधिकारी भी मानसिकता बदलें. अतिक्रमण होने के पहले ही इसे रोकें. नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव अरुण कुमार सिंह ने कहा कि शहरी क्षेत्र व्यवस्थित होगा, तो लोकल इकोनॉमी को बढ़ावा मिलेगा. ट्रैफिक को रेगुलेट करने की तैयारी चल रही है. साइकलिंग के लिए प्रस्ताव तैयार हो रहा है. सुडा निदेशक राजेश शर्मा ने कहा कि ट्रैफिक बड़ी समस्या है. जहां अच्छे रोड हैं, वहां बीआरटी सिस्टम लागू होगा.

जल्द शुरू होगी 350 पब्लिक बसें

रांची नगर निगम के नगर आयुक्त प्रशांत कुमार ने कहा कि रांची में जल्द ही 350 पब्लिक बसें शुरू की जायेंगी. 239 बस स्टॉप बनाये गये हैं. सभी बसों में जीपीएस लगा होगा. उन्होंने कहा कि पार्किंग की नयी व्यवस्था से 1.20 करोड़ रुपये केवल पार्किंग शुल्क से मिलेंगे. पूरे राज्य के लिए भी पार्किंग पॉलिसी बन रही है. कार्यशाला आइटीडीपी के मैनेजर राजेंद्र वर्मा ने झारखंड में सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट सिस्टम की जरूरत पर एक प्रजेंटेशन दिया. संचालन नम्रता और धन्यवाद ज्ञापन टाउन प्लानर गजानन राम ने किया.

City spruced up for swachh sarvekshan team's 3-day visit

Pranjal Choudhary

Ranchi: On Friday, the city woke up to streets wearing a spic and span look. Garbage bins were empty and clean, the mounds of rubbish had vanished and so had the repulsive stench which emanates from public toilets in the city. The reason behind the change was a three-day inspection under Swachh Bharat Sarvekshan, in which Ranchi had fared a lowly 62nd in a list of 75 cities across the country.

A team of three Swachh Bharat Sarvekshan inspectors,including two field inspectors and one handling logistics, visited Gudri Chowk and the Ranchi railway station on Friday. There was no garbage visible on the streets around Gudri Chowk and a public toilet near the chowk, which was visited by one of the inspectors, was clean and functional. Similarly, the Ranchi railway station was also remarkably clean; garbage bins were placed at regular intervals, the pathways and platforms had no litter and even the railway tracks and walls were bereft of filth or betel spit.

Mukesh Kumar Bhatt

The Swachh Sulabh Sauchalaya at Gudri Chowk in Ranchi

Randhir Kumar Gupta, one of the field inspectors said, "It is too early to say whether the city will do better than last time but I have visited four places since morning and my analysis has been positive so far. Even the inputs we have been receiving from people are positive."

When asked about parameters of the survey he said, "We are sent instructions every hour to ensure that a city's municipal corporation is kept out of the loop. The places are determined in a way to ensure that slums, public establishments and other important areas in the city are adequately checked for cleanliness."

The score of a city in Swachh Bharat Abhiyaan rankings will be based on numerous parameters such as construction of individual houses, community and public toilets to eradicate open defecation and ensuring door-to-door collection and disposal of solid waste.

ट्रैफिक को-ऑर्डिनेशन कमेटी ने की सिटी बस की सवारी

सिटी बस की सवारी करते नगर आयुक्त, ट्रैफिक एसपी समेत अन्य अधिकारी.

रांची. नगर आयुक्त प्रशांत कुमार, ट्रैफिक एसपी संजय रंजन सहित ट्रैफिक को-ऑर्डिनेशन कमेटी के अधिकारियों ने रविवार को टाटा मोटर्स से खरीदी गयी नयी सिटी बसों की सवारी की. सवारी के बाद नगर आयुक्त ने यात्री सुविधा को देखते हुए बस में कई जरूरी बदलाव के निर्देश दिये.

उन्होंने बस के गेट के समीप यात्रियों के चढ़ने के लिए एक लोहे की हैंडल लगाने को कहा. उन्होंने बस में रांची नगर निगम के लोगो लगाने का भी निर्देश दिया. नगर आयुक्त ने कहा कि सिटी बसों का परिचालन बेहतर तरीके से हो इसके लिए एप डेवलप किया जायेगा. एप डाउनलोड कर लोग यह देख सकेंगे कि स्टॉपेज तक बस को आने में कितना देर लगेगा. उन्होंने कहा कि नयी बसों की मॉनीटरिंग दुरुस्त की जायेगी. इसके लिए सभी बसों में जीपीएस सिस्टम लगाया जायेगा.

निगम टीम ने पूछा, रोज कूड़ा उठता है या नहीं

रांची | संवाददाता

नगर आयुक्त प्रशांत कुमार और उप नगर आयुक्त विद्यानंद शर्मा पंकज ने शनिवार को वार्ड 1,2,4 और 5 में डोर टू डोर कचरा उठाव का जायजा लिया। टीम ने मोरहाबादी व कांके रोड के कई मोहल्लों का दौरा किया। इस दौरान नगर आयुक्त ने लोगों से पूछा कि नई कंपनी के वाहन प्रतिदिन कूड़ा उठाने आते हैं या नहीं। कंपनी के लोग सड़कों पर झाड़ू लगाते हैं या नहीं। लोगों ने कहा कि कंपनी का कार्य बेहतर है, नियमित वाहन कूड़ा उठाने भी आता है, लेकिन वाहन के आने का कोई समय तय नहीं है। अगर एक निर्धारित समय पर कूड़ा उठानेवाला वाहन आए तो लोगों को फायदा होगा। इस पर नगर आयुक्त ने कहा कि जल्द ही ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी ताकि कूड़ा उठाने वाली गाड़ी निर्धारित समय पर आए।

शहर में कूड़ा उठाव की जानकारी लेती नगर निगम की टीम। ● हिन्दुस्तान

कल से शुरू होगी फॉगिंग

रांची। मच्छरों से परेशान रांचीवासियों के लिए अच्छी खबर है। अब नगर निगम सप्ता में एक दिन 55 वार्डों में फॉगिंग कराने जा रहा है। इसके लिए रोस्टर बनकर तैय है। सोमवार से फॉगिंग शुरू हो जाएगी। इस दौरान झीरी में फॉगिंग होगी। संबंधित वा के सुपरवाइजर मॉनिटरिंग करेंगे।

फॉगिंग नहीं होने पर इन नंबरों पर करें कॉल

1. वार्ड नंबर 1 से 6 के बीच ड्राइवर बिट्टू कुमार और शनि सिंह के मोबाइल नंबर **9534118739** और **7870456895** पर कॉल करें।
2. वार्ड नंबर 7 से 12 के बीच ड्राइवर दयानंद यादव के मोबाइल नंबर **9430378815** और **9905139449** पर कॉल करें।
3. वार्ड नंबर 13 से 18 के बीच ड्राइवर संजय सिंह के मोबाइल नंबर **9835973001** पर कॉल करें।
4. 4. वार्ड नंबर 19 से 24 के बीच ड्राइवर मो. हुसैन के नंबर **7544071843** पर कॉल करें।
5. वार्ड 25 से 30 के बीच अनिल कुमार तिवारी के नंबर **9852947130** पर कॉल करें।
6. वार्ड नंबर 31 से 36 के बीच कुशेंद्र महतो के नंबर **9709014345** पर कॉल करें।
7. वार्ड नंबर 37 से 42 के बीच विक्की कालींदी के नंबर **9504357595** पर कॉल करें।
8. वार्ड 43 से 55 के बीच कॉल करें **9162418356** पर।

स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए आयी टीम ने लोगों से पूछा

शौचालय बनाने के लिए राशि मिलने में परेशानी तो नहीं हुई

लोगों से साफ-सफाई के बारे में पूछती केंद्रीय टीम.

संवाददाता ▸ रांची

स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए राजधानी आयी केंद्रीय टीम के सदस्य शनिवार को मधुकम व चंदवे बस्ती पहुंचे. यहां टीम ने नगर निगम द्वारा बनाये गये शौचालयों का जायजा लिया. टीम में शामिल सदस्यों ने लोगों से पूछा कि निगम द्वारा जो शौचालय उन्हें बनवा कर दिया गया है, उसका वे उपयोग करते हैं या नहीं. यह भी पूछा कि शौचालय निर्माण के लिए जो राशि निगम द्वारा दी जाती है. उसे प्राप्त करने में किसी तरह की परेशानी तो नहीं हुई. लोगों ने कहा कि राशि मिलने में तो कोई परेशानी नहीं हुई. लेकिन 12 हजार की यह राशि काफी कम है. अगर यह राशि बढ़ा कर दी जाती, तो और बेहतर शौचालय का निर्माण किया जा सकता था. टीम का दौरा रविवार को भी जारी रहेगा. रविवार के सर्वे के बाद यह टीम दिल्ली जायेगी. चार फरवरी तक यह टीम अपनी रिपोर्ट केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय को सौंप देगी. फिर केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय 15 फरवरी को देश के टॉप साफ-सुथरे शहरों की रिपोर्ट जारी करेगा.

खादगढ़ा व आइटीआइ बस स्टैंड में देखी साफ-सफाई : शौचालयों का जायजा लेने के बाद केंद्रीय टीम आइटीआइ बस स्टैंड व खादगढ़ा बस स्टैंड पहुंची. यहां टीम के सदस्यों ने लोगों से पूछा कि बस स्टैंड में साफ-सफाई नियमित होती है या नहीं. कूड़ा उठाने के लिए वाहन दिन में कितनी बार आता है. टीम के सदस्यों ने इस दौरान यात्रियों से पूछा कि यहां आपको पीने के पानी, शौचालय आदि की कोई दिक्कत तो नहीं होती है.